



उ देवनागरी वर्णमाला का पाँचवा स्वर, जो ह्रस्व है और जिसका दीर्घ रूप 'ऊ' है, भाषा विज्ञान की दृष्टि से यह ह्रस्व, ओष्ठ्य, घोष तथा संवृत स्वर है।

उंघाई स्त्री. (देश.) 1. ऊँघने की क्रिया या भाव, झपकी 2. पूर्ण निद्रा से पूर्व की स्थिति, अर्धनिद्रा 3. आलस आने का भाव, अलसाना।

उंडुकपुच्छ पुं. (तत्.) आयु. स्तनपोषियों की बड़ी आँत के अंतिम भाग में ऊतकों का बंद-नलिका-सा छोटा विस्तार। appendix

उंडुक पुच्छ शोथ पुं. (तत्.) आयु. उंडुक पुच्छ की सूजन जो पीड़ादायी और सांघातिक रोग है, इस अंग को शल्य-क्रिया से निकाल देना ही इसका उपचार है दे. 'उंडुक पुच्छ'।

उंडेलना स.क्रि. (देश.) 1. किसी तरल पदार्थ को एक बर्तन से दूसरे बर्तन में डालना 2. ला.अर्थ. उदारता से प्रदान करना, व्यक्त करना जैसे- उसने बच्चे पर अपना सारा प्रेम उंडेल दिया।

उंबर पुं. (तत्.) दरवाजे की चौखट की ऊपर वाली पट्टी।

उंबुर पुं. (तत्.) दे. 'उंबर'।

उंह अव्य. (तत्.) 1. असहमति, अस्वीकार, घृणा, वेदना आदि का सूचक शब्द 2. नहीं, नकारने का भाव, क्रिया।

ऊँ अव्य. (तत्.) 1. प्रश्न, अवज्ञा, क्रोध, स्वीकृति प्रश्न, निषेध, आवेश, संबोधन आदि अर्थों का द्योतक एक अव्यक्त शब्द। जैसे- ऊँ जाऊँ (प्रश्न) क्या जाओगे। ऊँ ऊँ (निषेध) ऊँ तुम क्या कहते हो (आवेग/क्रोध) ऊँ! तुम इधर आओ (संबोधन)।

ऊँगनी पुं. (देश.आँगना) बैलगाड़ी के ऊँगने का वह कार्य जिसमें उसकी धुरी और पहिये में एक

विशेष तेल लगा कर उन्हें आपस में जोड़ा जाता है।

ऊँगली स्त्री. (तद्.) प्रत्येक हाथ या पैर के अग्रिम भाग पर फलियों के आकार के निकले हुए अलग-अलग पाँच-पाँच अवयव जो मिलकर किसी वस्तु आदि को पकड़ने या दबाने के काम आते हैं, इनमें सबसे मोटा अवयव अँगूठा कहलाता है, अंगुलि, मुहा. पाँचों ऊँगलियाँ घी में होना-सब प्रकार से लाभ ही लाभ, ऊँगलियाँ चमकाना- बातचीत में ऊँगली हिलाना या मटकाना, सीधी ऊँगली से घी न निकलना- सिधाई से काम न हो पाना, ऊँगलियों पर दिन गिनना-उत्सुकता से किसी दिन की प्रतीक्षा करना, ऊँगलियों पर नचाना-अपने वश में रखना, तंग करना, ऊँगली उठना-बदनामी होना, उपहास का पात्र होना, (किसी की) निंदा का लक्ष्य होना, दोष लगना, टेढ़ी/बुरी नजर से देखना, ऊँगली करना-परेशान करना, ऊँगली पकड़ते पहुँचा पकड़ना-किसी व्यक्ति से थोड़ा-सा पाकर सारे पर धृष्टतापूर्वक अधिकार जमाना, ऊँगली पर पहाड़ उठाना-असंभव कार्य कर दिखाना, ऊँगली लगाना- (किसी काम में) नाममात्र सहायता या सहारा देना, किसी काम में हाथ लगाना।

ऊँघाई स्त्री. (देश.) 1. ऊँघने की क्रिया, स्थिति या भाव। 2. निद्रा या आलस्य की पूर्वावस्था 3. झपकी दे. ऊँघ/औंघाई।

ऊँचाना स.क्रि. (तद्.) ऊँचा करना; उठाना।

ऊँचाना स.क्रि. (देश.) किसी चीज को ऊपर उठाना, ऊँचा करना।

ऊँछवृत्ति स्त्री. (तत्.) फसल कटने के बाद खेत में गिरे हुए अन्न को बीनकर उस पर जीवन निर्वाह करना।

ऊँडेलना क्रि.स. (देश.) द्रव पदार्थ को एक बर्तन से दूसरे में डालना या अन्यत्र गिराना प्रयो. बच्चे ने शीशी की दवा जमीन पर ऊँडेल दी।

ऊँह अव्य. (देश.) 1. अस्वीकार, घृणा, उपेक्षा आदि का सूचक शब्द 2. वेदनासूचक शब्द।